Cg – यीशु ने एक अधिकारी के बेटे को चंगा किया यूहन्ना ४ का ४६ से ५४
| 1

– Save This Page as a PDF–

यीशु ने एक अधिकारी के बेटे को चंगा किया

यूहन्ना ४:४६-५४

खोदाई: अब जब यीशु फिर से घर वापस आ गया है, तो लोगों को उसका स्वागत करने के लिए क्या प्रेरित करता है? आप यूहन्ना ४:४५ में भीड़ के स्वागत और यूहन्ना श्लोक ४४ और ४८ में येशुआ की टिप्पणियों के बीच अंतर को कैसे समझते हैं? यूहन्ना ३९-४२ में गलीलवासी सामरी लोगों के समान या भिन्न कैसे हैं? क्यों? शाही अधिकारी को इतनी दूर यात्रा करने के लिए क्या प्रेरित करता है? मसीहा ने उससे जो करने को कहा, उस पर आपने क्या प्रतिक्रिया दी होगी? उसके कृत्य का परिणाम क्या था? यह चमत्कारी चिन्ह प्रभु के बारे में क्या इंगित करता है?

विचार: शाही अधिकारी ने काना की यात्रा क्यों की? शादी में हुए चमत्कार की तुलना उस व्यक्ति के बेटे के ठीक होने से कैसे की गई? शाही अधिकारी ने मसीह को अपने साथ आने के लिए कैसे कहा? उसमें असामान्य क्या था? येशुआ उसके प्रति इतना असंतुलित क्यों था? यीशु के शब्दों पर विश्वास करने और उसे मसीहा मानने में क्या अंतर था? किस बात ने उसे विश्वास करने के लिए प्रेरित किया? क्या आपको यह जानने के लिए ईश्वर के संकेत की आवश्यकता है कि वह आपके लिए है? आखिरी बार कब आपने किसी संकट में परमेश्वर पर पूरा भरोसा किया था?

सामरिया में संक्षिप्त फसल, जैसा कि यीशु ने अपनेप्रेरितों को संकेत दिया था, बुआई के समय की शुरुआत भी थी। इसने उनके महान गैलीलियन मंत्रालय का परिचय दिया जब उन्होंने फसह के त्योहार पर यरूशलेम में जो कुछ भी किया था उसे देखा था (यूहन्ना ४:४५ ए)। उनकापहला चमत्कार (देखें Bq – यीशु ने पानी को शराब में बदल दिया), जनता के देखने के लिए नहीं था। ऐसा इसलिये था कि उसकेशिष्यों को उसपर विश्वास हो। हालाँकि, पीड़ित सेवक ने पहले ही यरूशलेम में अपनासार्वजनिक मंत्रालय शुरू कर दिया था जब उसने मंदिर को साफ किया था (देखें Bs– यीशु द्वारा मंदिर की पहली सफाई)। अब जब यूहन्ना को कैद कर लिया गया था, मसीह ने अपने अग्रदूत के संदेश को व्यापक दायरे में लिया, और लोगों से उस अच्छी खबर पर विश्वास करने का आग्रह किया जिसकी उन्होंने वकालत की थी।

स्वामी ने बारहों को चेतावनी देते हुए कहा था: मैं तुम से सच कहता हूं, कोई भी भविष्यद्वक्ता अपने गृहनगर में स्वीकार नहीं किया जाता (लूका ४:२४)। और यह उनका बचपन का घर था! यह सामरियों के बीच यीशु को इतनी बड़ी सफलता मिलने के तुरंत बाद यहूदी द्वारा अस्वीकार किए जाने की विडंबना को उजागर करेगा। जबकि इस अवसर पर गैलिलियों ने येशुआ के साथ सत्कारपूर्वक व्यवहार किया – शायद उन्हें अपने गृहनगर नायक पर गर्व महसूस हुआ – पाखण्डी रब्बी ने उनकी सद्भावना को परिप्रेक्ष्य में रखा।

Cg – यीशु ने एक अधिकारी के बेटे को चंगा किया यूहन्ना ४ का ४६ से ५४
| 2

जब लोगों को वह मिलता है जो वे चाहते हैं, तो विश्वास आसानी से आ जाता है। लेकिन सच्चाई का सामना होने पर वे कैसे प्रतिक्रिया देते हैं? जब ईसा ने उनकी गलत समझी गई अपेक्षाओं का सामना किया, तो उन्होंने किसे चुना? आने वाले दिन इच्छाशक्ति के टकराव को उजागर करेंगे – मानवीय अपेक्षाएँ बनाम प्रभु की संप्रभुता। शाही अधिकारी के साथ येशुआ की मुलाकात ने उस प्रकार के विश्वास को दर्शाया जिसे वह तब और अब तलाश रहा था।

एक बार फिर उसने गलील में काना का दौरा किया, जहां उसने पानी को शराब में बदल दिया था (यूहन्ना ४:४६ए)। जब हम इन दोनों चमत्कारोंको एक साथ रखते हैं तो हम देख सकते हैं कि उनके बीच कुछ संबंध है, उनमें कुछ समानता है। जब हम उन दोनों का अध्ययन करते हैं तो सात उल्लेखनीय तुलनाएँ सामने आती हैं। सबसे पहले, वे दोनों तीसरे दिन हुए। योचनन २:१ में हम पढ़ते हैं: तीसरे दिन गलील के काना में एक विवाह हुआ। और यूहन्ना ४:४३ में हमें बताया गया है: दो दिनों के बाद [सामरिया में] वह गलील में चला गया।

दूसरा, जब मरियम यीशु के पास आई और उसे बताया कि उनके पास शराब नहीं है तो वह उसे डांटता हुआ प्रतीत हुआ, लेकिन उसकी टिप्पणियाँ वास्तव में उसकी भलाई के लिए थीं (योचनान २:४); इसलिए जब शाही अधिकारी ने प्रभु से नीचे आने और उसके मरते हुए बेटे को ठीक करने के लिए कहा, तो मसीहा का जवाब काफी कठोर लग रहा था, लेकिन फिर, यह अंततः उसके अपने भले के लिए था (यूहन्ना ४:४८)।

तीसरा, प्रत्येक मामले में हम उन लोगों द्वारा की गई आज्ञाकारी प्रतिक्रिया देखते हैं जिन्हें यीशु ने आदेश दिया था। यीशु ने सेवकों से कहा, घड़े पानी से भर दो; इसलिये उन्होंने उन्हें पूरा भर दिया। तब उस ने उन से कहा, अब कुछ निकालकर भोज के प्रधान के पास ले जाओ। उन्होंने वैसा ही किया (योचनान २:७-८ए)।शाही अधिकारी को प्रभु ने उत्तर दिया: आप जा सकते हैं।आपका बच्चा जीवित रहेगा. उस आदमी ने येशुआ की बात पर विश्वास किया और चला गया (यूहन्ना ४:५०)।

चौथा, दोनों चमत्कारोंमें हम शब्द को कार्य करते हुए देखते हैं; प्रत्येक में, हमारे उद्धारकर्ता ने बोलने के अलावा कुछ नहीं किया। उसने मरियम को उत्तर दिया। . . (यूहन्ना २:४ए), और अधिकारी से उसने कहा। . . (यूहन्ना ४:४८) नई वाचा में दो प्राथमिक शब्द हैं जो “शब्द” का अनुवाद करते हैं। लोगो मुख्य रूप से परमेश्वर के संपूर्ण प्रेरित वचन को संदर्भित करता है (यूहन्ना १:१; लूका ८:११; फिलिप्पियों २:१६; तीतुस २:५; इब्रानियों ४:१२; प्रथम पतरस १:२३)। हालाँकि, रीमा एक ऐसे शब्द को संदर्भित करता है जो बोला जाता है। कभी- कभी इसका उपयोग स्पष्ट रूप से किया जाता है, लेकिन कई बार इसका अनुमान लगाया जाता है। अपनी टिप्पणियों में, मैं लिखित अभिव्यक्ति के लिए शब्द का उपयोग करता हूं, और बोले गए उच्चारण के लिए शब्द का उपयोग करता हूं।

पांचवां, दोनों आख्यानों में नौकर के ज्ञान की ओर इशारा किया गया है। शादी में, नौकरों ने मसीह के आदेशों का पालन किया और भोज के मालिक ने उस पानी का स्वाद चखा जो शराब में बदल गया था। उसे एहसास नहीं हुआ कि यह कहाँ से आया था, हालाँकि जिन नौकरों ने पानी निकाला था वे

[illegible] (Matthew 5:3-5). He says, "Blessed are those who mourn, for they will be comforted." Jesus, the Son of God, knows what it is to mourn. He mourned the death of His friend Lazarus (John 11:35), and He mourned over Jerusalem (Luke 19:41).

Jesus, however, does not promise that we will not mourn. Instead, He promises that we will be comforted. Jesus knows that we will mourn, but He also knows that we will not mourn as those who have no hope (1 Thessalonians 4:13a). He knows that we will mourn the loss of our loved ones, but He also knows that we will see them again: He promises that we will be reunited with our loved ones (1 Thessalonians 4:14). Jesus promises that we will [illegible] with Him, and He promises that we will [illegible] (Revelation 21:4).

Finally, Jesus says that we will mourn over our sin, and He promises that we will be comforted. He says that we will mourn over our sin, and He promises that we will be comforted. He says that we will mourn over our sin, and He promises that we will be comforted. He

Cg – यीशु ने एक अधिकारी के बेटे को चंगा किया यूहन्ना ४ का ४६ से ५४
| 4

उनका व्यवहार उनके ऊंचे पद से मेल नहीं खाता था. वह तुरंत येशुआ के पास गया और उससे विनती की कि वह आए और उसके बेटे को ठीक करे, जो मौत के करीब था (योचनान ४:४७ b)। विनती शब्द काल में अपूर्ण है, जो निरंतर क्रिया का सूचक है। चूँकि उसका बेटा लगभग मर चुका था, अधिकारी ने सारी गरिमा त्याग दी और प्रभु के आने के लिए भीख माँगता रहा। ध्यान दें कि पिता ने सोचा था कि किसी भी उपचार के लिए मसीह को शारीरिक रूप से उपस्थित होना होगा।

यीशु का उत्तर पहले तो कठोर लग सकता है: जब तक तुम लोग चमत्कारी चिन्ह और चमत्कार नहीं देखोगे, मसीहा ने उससे कहा, तुम कभी विश्वास नहीं करोगे (यूहन्ना ४:४८)। लेकिन यह शाही अधिकारी की तुलना में व्यापक दर्शकों को संबोधित किया गया था, जैसा कि आप लोग संकेत देंगे। यह उस आदमी के अनुरोध पर मास्टर का उत्तर इतना नहीं था, जितना कि अनुरोध के कारण पर एक प्रतिबिंब था – चमत्कारी संकेत। यह गैलिलियों का विशिष्ट रवैया था। चूँकि यह आदमी एक कुलीन यहूदी था, इसलिए संभावना है कि वह सदूकियों का सदस्य था (देखें Ja – पुनरुत्थान पर वह किसकी पत्नी होगी?), जो शोल या किसी भी पुनर्जन्म में विश्वास नहीं करता था – अच्छा या बुरा। उनका मानना था कि लोग अपने निर्णय स्वयं लेते हैं और इसलिए, इस जीवन में जो भी भाग्य उनके सामने आए, उसके पात्र हैं। इसलिए एक सदूकी के लिए अपने बेटे के जीवन के लिए बार-बार भीख माँगना कम से कम असामान्य था।

यह ऐसा है मानो यीशु वास्तव में कह रहे हों, “क्या आपका विश्वास किसी प्रकार के संकेत पर निर्भर करता है? क्या आप इसलिए आए क्योंकि आप पहले से ही विश्वास करते हैं कि मैं मसीहा हूं या आप इसलिए आए क्योंकि आपको आश्वस्त होने की आवश्यकता है? फिर भी, शाही अधिकारी ने अपना बचाव नहीं किया, न ही कोई बहस की। उसने बस प्रभु से बार-बार विनती करते हुए कहा: श्रीमान, मेरे बच्चे के मरने से पहले नीचे आ जाइए (यूहन्ना ४:४९)। लेकिन शाही अधिकारी की प्रेरणा गलत होने के कारण येशुआ परेशान और अचानक था। यहाँ यह सूक्ष्म था, बाद में यह अचूक होगा (यूहन्ना ६:२६-२७)।वह जो चाहता था उसे प्राप्त करने के साधन के रूप में उसने गुरु की खोज की (भले ही वह समझ में आता हो), इसलिए नहीं कि वह मसीहा था जो पूजा के योग्य है। वह जितना ईमानदार था, वह ईमानदारी से गलत था; शाही अधिकारीमसीह के आगमन की बड़ी तस्वीर देखने से चूक गए।

हालाँकि, शाही अधिकारी ने हार नहीं मानी। उस हताश स्थिति में, वह एक कुलीन, या एक अधिकारी, या एक सदूकी, या यहाँ तक कि एक गैलीलियन भी नहीं था। वह एक पिता था, जो अपने मरते हुए बेटे की चिंता से बीमार था। येशुआ ने अपनी भेद्यता का उपयोग करके उसे विश्वास के बारे में एक सबक सिखाया जिसे वह कभी नहीं भूलेगा। प्रभु ने उत्तर दिया: आप जा सकते हैं। आपका बच्चा जीवित रहेगा. मूलतः वह कह रहा था, “अपने काम में लगे रहो; आपका बेटा ठीक है।”

उस व्यक्ति ने येशुआ की बात पर विश्वास किया, कोई संकेतनहीं मांगा और चला गया (यूहन्ना ४:५०)।येशुआने जो कहा, उस पर उसे विश्वास था, लेकिन जरूरी नहीं कि येशुआ उसके परमेश्वर और उद्धारकर्ता के रूप में हो। जब योचनान किसी वस्तु के बिना विश्वास करने की क्रिया का उपयोग करता है – जैसा कि, कई लोगों ने विश्वास किया (यूहन्ना १:७ और ५०, ३:१२ और १५, ४:४१) –

Cg – यीशु ने एक अधिकारी के बेटे को चंगा किया यूहन्ना ४ का ४६ से ५४
| 5

वह यीशु को उद्धारकर्ता के रूप में बचाने वाले विश्वास का वर्णन करता है (देखें Bw– विश्वास के क्षण में परमेश्वर हमारे लिए क्या करता है)। यही बात उस वाक्यांश के बारे में भी सच है, उस पर विश्वास किया (यूहन्ना ३:१६-१७)। शाही अधिकारी ने येशुआ ने जो कहा उस पर विश्वास किया, लेकिन यह वही विश्वास नहीं था जिसने सामरियों को बचाया (यूहन्ना ४:४१)। स्पष्ट रूप से, यीशु के शब्द ही उसे सुनने की आवश्यकता थी, इसलिए वह बिना किसी और याचना के चला गया (योचनान ४:५०)। बाईं ओर के लिए ग्रीक शब्द वही क्रिया है जिसका उपयोग प्रभु ने पहले जाओके लिए किया था।

जब वह रास्ते में ही था, तो उसके सेवक उससे मिले और यह समाचार दिया कि उसका लड़का जीवित है। स्वाभाविक प्रतिक्रिया यह होती कि वह अपने बेटे की स्थिति की जांच करने के लिए जल्दी से कफरनहूम वापस जाता। लेकिन उस आदमी ने ऐसा नहीं किया. जाहिरा तौर पर वह अपने व्यवसाय में लग गया और सुबह कफरनहूम के लिए रवाना होने से पहले रात भर काना में रुका। जब उसने पूछा कि उसका बेटा कब ठीक हो गया, तो उन्होंने उससे कहा, “कल सातवें घंटे (१:00 बजे) उसका बुखार उतर गया” (योचनान ४:५१-५२)। चमत्कार करने वाले रब्बी ने उससे कहा था कि उसका बच्चाजीवित रहेगा और उसने उस पर विश्वास किया।

यह दूसरी बार था जब येशुआ यहूदा से गलील आया और चमत्कार किया (यूहन्ना ४:५४ सीजेबी)। यह योचनान के सात चमत्कारों में से दूसरा है (यूहन्ना २:१-११; ४:४६-५४, ५:१-१५, ६:१-१५, ६:१६-२४, ९:१-३४, और ११:१-४४)। पहला चमत्कारपानी को शराब में बदलना था, और दूसरा संकेतशाही अधिकारी के बेटे को ठीक करना था।

तब पिता को एहसास हुआ कि यह वही समय था (दोपहर
१:00 बजे) जब यीशु ने उससे कहा था: तुम्हारा बेटा जीवित रहेगा। इसलिये उसने और उसके सारे घराने ने विश्वास किया (यूहन्ना ४:५३)। किसी प्रत्यक्ष वस्तु की अनुपस्थिति पर ध्यान दें। पहले वह येशुआ की बातों पर विश्वास करता था, अब वह केवल विश्वास करता है। वह यीशु को अपना प्रभु और उद्धारकर्ता मानता था।

हम अन्य सुसमाचार वृत्तांतों से जानते हैं कि मास्टर ने गलील और यहूदिया में कई और यूहन्ना २१:२५ चमत्कार किए और उनकी बढ़ती प्रसिद्धि जंगल की आग की तरह फैल गई। कई लोगों ने उनसे शारीरिक और आध्यात्मिक उपचार की मांग की। अनगिनत शिष्यों को आकर्षित करने में उन्हें अधिक समय नहीं लगा। कुछ ने जो कुछ उसने कहा उस पर विश्वास किया, जबकि अन्य ने उसे अपना परमेश्वर माना। लेकिन जब उसने स्वयं को इस्राएल राष्ट्र के सामने मेशियाक के रूप में प्रस्तुत किया, तो वे किस प्रकार के उद्धारकर्ता की तलाश कर रहे थे? उनकी प्रेरणा

Cg – यीशु ने एक अधिकारी के बेटे को चंगा किया यूहन्ना ४ का ४६ से ५४
| 6

क्या थी? क्या वे अपने पापों के लिए क्षमा की तलाश में थे, या किसी ऐसे व्यक्ति की तलाश में थे जो उन्हें वह दे सके जो वे चाहते थे? क्या वे उस राज्य को स्वीकार करेंगे जिसका उसने वादा किया था, या वे अपने स्वयं का बनाया हुआ राजा चाहते थे? जैसे ही अभिषिक्त व्यक्ति येरुशलायिम की ओर मुड़ा, उसके अनुयायियों को एक कठिन विकल्प का सामना करना पड़ा।

संकट ऐसे निर्णयों की मांग करता है जो हमारे विश्वास की सीमा को प्रदर्शित करें। जब हम अपने जीवन में आपदाओं का सामना करते हैं, तो क्या हम घटनाओं को नियंत्रित करने की अपनी क्षमता पर भरोसा करने की कोशिश करते हैं? मानवीय प्रवृत्ति उस स्टीयरिंग व्हील को पकड़ना और उस पर कब्ज़ा कर लेना है – भले ही हम जानते हैं कि जब हम ड्राइविंग को परमेश्वर पर छोड़ना चुनते हैं, तो हम सबसे कठिन परिस्थितियों में भी खुद को उनकी शांति के लिए खोलते हैं। लेकिन यह कहना आसान है लेकिन करना आसान नहीं है, है ना?

यदि आपकी युवा बेटी के साथ बलात्कार हुआ है और वह कम आत्मसम्मान और इसके सभी परिणामों के साथ जीवन गुजारती है; यदि आपका बच्चा नशे में धुत्त ड्राइवर के कारण वाहन दुर्घटना में मारा जाता है; यदि आपके जीवनसाथी का कोई प्रेम-प्रसंग है और वह आपको दूसरे के लिए छोड़ देता है; यदि आपके बारह वर्षीय बेटे के साथ छेड़छाड़ की जाती है और वह वयस्क होकर समलैंगिक जीवन शैली जीने लगता है। मैं सूची में नीचे जा सकता था। . .

चुनाव सरल है, लेकिन यह आसान नहीं है। या तो आप मानतेहैं कि प्रभु आपसे प्यार करता है और आपके सर्वोत्तम हितों को ध्यान में रखता है, चाहे परिस्थितियाँ कुछ भी हों, या नहीं। वहां कोई मध्य क्षेत्र नही है। यूहन्ना को छोड़कर सभी प्रेरित शहीद हो गए – फिर भी उन्होंने विश्वासकरना जारी रखा। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि क्या होता है, परमेश्वर हमेशा हमारे भरोसे के लायक हैं, जैसा कि अय्यूब ने कहा: जहां तक मेरी बात है, मैं जानता हूं कि मेरा मुक्तिदाता जीवित है, और अंत में वह पृथ्वी पर अपना रुख अपनाएगा (अय्यूब १९:२५)।

स्वर्गीय पिता, आप मेरे प्रदाता और रक्षक हैं। आपने मेरे लिए अपने प्यारे बेटे को त्याग दिया ताकि आपके सभी वादे मेरे जीवन में वास्तविकता बन जाएं। मैं तुमसे प्यार करता हूँ और अपने जीवन मेंतुम पर भरोसा करता हूँ।